हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 8 नवंबर 2025

14 राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर एकसाथ...

14 आरपीएस कॉलेज बलाना में जोनल यूथ फेस्टिवल...

कांग्रेस वोट चोरी ही नहीं मौका मिलने पर वोट पर डाका भी डालती : पूर्व मंत्री

डॉ. अभय सिंह बोले , नांगल चौधरी में कांग्रेस प्रत्याशी ने सार्वजनिक रूप से बूथ कैप्चरिंग का किया था आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

कांग्रेस के वोट चोरी प्रदर्शन पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मंत्री डॉक्टर अभय सिंह यादव ने कहा कि जो कांग्रेस दूसरों पर वोट चोरी के आरोप लगा रही है, उसका स्वयं का दामन भी पाक साफ़ नहीं रहा है। यह कांग्रेस की सुविधा की राजनीतिक मात्र है क्योंकि जहां कांग्रेस पार्टी चुनाव जीत जाती है वहां प्रजातंत्र की जीत बताती है और जहां चुनाव हार जाती है उस पर अनाप शनाप अनर्गल आरोप लगाना कांग्रेस की पुरानी आदत है। शुक्रवार प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उन्होंने कहा कि हार और जीत चुनाव के दो पहलू हैं और हर चुनाव जीतने वाले व्यक्ति अथवा पार्टी को दोनों ही बातों को स्वीकार करना चाहिए।

उन्होंने गत विधानसभा चुनाव में नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र में चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि यद्यपि विपक्ष द्वारा कई बार उन पर हार को पचा नहीं पाने की व्यंग्यात्मक टिप्पणी की गई है, परंतु यह सच्चाई है कि इसे स्वीकार करने में उन्हें कभी कोई संकोच नहीं हुआ। परंतु वोट चोरी की बात आई है तो नांगल चौधरी चुनाव की तथ्यात्मक जानकारी भी सार्वजनिक की जानी ज़रूरी है।

इस संदर्भ में उन्होंने चुनाव के दौरान नांगल चौधरी की कांग्रेस प्रत्याशी की एक वीडियो रिकॉर्डिंग प्रैस को रिलीज़ करते हुए कहा कि संभवतः ऐसा उदाहरण दुर्लभ ही मिलेगा, जहां किसी प्रत्याशी ने चुनाव अभियान के दौरान सार्वजनिक रूप से अपने कार्यकर्ताओं को बूथ कैप्चरिंग का आह्वान किया होगा। कांग्रेस प्रत्याशी स्पष्ट रूप से उस वीडियो में यह कह रही है कि चुनाव के दौरान 99 प्रतिशत बूथ कैप्चर कर लो तो चुनाव में उनकी जीत को कोई नहीं रोक पाएगा। कांग्रेस प्रत्याशी ने न केवल कहा अपितु चुनाव के दौरान इसको वास्तविकता में भी बदलकर दिखाया। उन्होंने विधानसभा चुनाव के मतगणना के आंकड़े देते हुए कहा कि कुल 182 बूथों में कुल एक लाख 17 हज़ार वोट डाले गए। जहां 156 बूथों में एक लाख एक हज़ार वोट पड़े और इन एक लाख एक हज़ार वोटों की गिनती में कांग्रेस प्रत्याशी पैंतालीस सौ वोटों के लगभग से पीछे रही। परंतु शेष छब्बीस बूथों में जहां 16,150 वोट डाले गए थे उनकी गिनती में वह 11,448 वोटों से आगे रही। इस प्रकार से वह लगभग 6900 वोटों से विजयी हुई। जिन छब्बीस बूथों में कांग्रेस प्रत्याशी ने 11,448 मतों की जीत हासिल की है, वहां मतदान 80 प्रतिशत से अधिक रहा एवं इनमें कुछ बूथों में कांग्रेस प्रत्याशी को 95 प्रतिशत से भी अधिक वोट मिले हैं। किसी भी विधानसभा क्षेत्र में 16185 वोटों की गिनती में 11448 की लीड संभवतः पूरे देश में नहीं मिलेगी।

चुनाव आयोग को लिखा पत्र

डॉक्टर अभय सिंह ने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग को एक पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने यह सुझाव दिया है कि भविष्य में जिन बूथों पर असाधारण रूप से अधिक पोलिंग प्रतिशत हो, उन बूथों की मतगणना से पहले उच्च अधिकारियों की एक कमेटी द्वारा ऐसे सभी बूथों की सीसीटीवी कैमरा रिकॉर्डिंग एवं वेब कास्टिंग के पूरे रिकॉर्ड की जांच की जानी चाहिए और यदि जांच के दौरान किसी बूथ में अनियमितता पाई जाए तो ऐसे बूथों पर पुनर्मतदान का निर्णय स्वयं चुनाव अधिकारियों को ही लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनावी मामलों पर राजनीति करने की बजाए इसका दुरुपयोग रोकने का प्रयत्न अधिक कारगर सिद्ध होता है। चुनाव आयोग द्वारा वर्तमान में मतदाता सूचियों का विशेष पुनर्निरीक्षण किया जाना चुनाव प्रक्रिया को भविष्य में सुदृढ़ बनाएगा। कांग्रेस का इस विषय में हाय तौबा केवल अपने अस्तित्व को बचाने के प्रयास के इलावा कुछ नहीं है। यह सर्वविदित सत्य है कि मतदान का अधिकार केवल भारत के नागरिकों को ही प्राप्त है एवं कोई भी गैर भारतीय मतदान का पात्र नहीं है परंतु देश में अवैध रूप से आए लाखों की संख्या में अवैध प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल मतों को हटाया जाना न केवल प्रजातंत्र के लिए क़ानून की आवश्यकता है, अपितु यह राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर मामला भी है।

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

नारनौल। पटीकरा गांव में कृष्णावती नदी के पुल के समीप डीएफसी लाइनों पर मालगाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। युवक का चेहरा एवं शरीर गाड़ी की टक्कर से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया तथा उसकी पहचान कर पाना मुश्किल कार्य हो गया है। एलएचसी सुमनलता ने बताया कि शाम को करीब 8 बजे मालगाड़ी की चपेट में आने से उक्त युवक की मौत हो गई। इसकी जानकारी मालगाड़ी के जरिए उन्हें प्राप्त हुई, जिस पर वह मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतक ने जींस एवं शर्ट पहन रखी है तथा उसकी आयु करीब 25 वर्ष है। ट्रेन से उसके पैर, हाथ एवं सिर आदि कटकर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बुरी तरह से क्षत-विक्षत शव की पहचान करना मुनासिब नहीं हो पा रहा। फिलहाल शव को नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में 72 घंटे के लिए रखवा दिया है तथा पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

शिव लाल धर्मशाला में स्वास्थ्य जांच शिविर कल

कनीना। सेवा भारती संस्था की ओर से रविवार नौ नवंबर को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। योगेश अग्रवाल ने बताया कि शिव लाल धर्मशाला में सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित होने वाले शिविर में रेवाडी के निजी अस्पताल के चिकित्सक मनीष वर्मा, राकेश केसरी, जयश्री की टीम मरीजों की जांच कर दवा वितरित करेगें। उन्होंने बताया कि शिविर में ईसीजी, बीपी, शुगर की जांच की जाएगी। वहीं परामर्श भी दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को उनकी ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर का

पूर्व जीएम ने सिलिंग की कार्रवाई का किया विरोध

नगर परिषद मुताबिक मॉल भवन बिना सीएलयू के तैयार किया

पूर्व जीएम के चार मंजिला मॉल को नप ने लगाई सील

रोडवेज के रिटायर्ड जीएम लाजपत यादव ने महेंद्रगढ़ रोड के नूनी-सेखपुरा मोड़ के पास बनाया हुआ है दो हजार गज में चार मंजिला भवन

नगर परिषद टीम जब मौके पर पहुंची तो उसे देख अचानक से मॉल में काम कर रहे कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। उस वक्त इस मॉल में करीब 200 वर्कर काम कर रहे थे, जिस कारण सिलिंग होने के बाद इन सभी की छुट्टी कर दी गई।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा रोडवेज के रिटायर्ड जीएम लाजपत यादव के महेंद्रगढ़ रोड पर बने मॉल भवन को अनियमितताएं पाए जाने पर नगर परिषद ने सील कर दिया है। यह मॉल भवन करीब दो हजार वर्ग गज में चार मंजिला बनाया हुआ है। दूसरी ओर पूर्व जीएम ने सिलिंग की इस कार्रवाई का विरोध किया है तथा कहा है कि यह राजनीतिक दबाव से हो रहा है, जबकि उन्होंने कोर्ट से स्टे ली हुई है। सिलिंग के दौरान पुलिस भी मौजूद रही। महेंद्रगढ़ रोड पर नूनी-सेखपुरा मोड़ से पहले रोडवेज के रिटायर्ड जीएम लाजपत यादव ने करीब एक-एक हजार गज जमीन पर दो हिस्सों में चार मंजिला मॉल भवन बनाया हुआ है। इस मॉल भवन को बनते हुए करीब सात साल हो गए हैं, लेकिन अब यह कंपलीट हो चुका है तथा हाल ही में 2 अक्टूबर को दशहरा पर्व के दिन इस मॉल में कपड़ों एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं का शोरूम ग्राहकों के लिए चालू किया गया था। इसी मॉल भवन को सिलिंग करने के लिए शुक्रवार दोपहर को नगर परिषद की टीम मौके पर पहुंची तथा सिलिंग की कार्रवाई शुरू की। नगर परिषद मुताबिक यह मॉल भवन बिना सीएलयू के तैयार किया गया है, जिसके चलते इसे सील कर दिया गया। नगर परिषद टीम जब मौके पर पहुंची तो उसे देख अचानक से मॉल में काम कर रहे कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। उस वक्त इस मॉल में करीब 200 वर्कर काम कर रहे थे, जिस कारण सिलिंग होने के बाद इन सभी की छुट्टी कर दी गई। सिलिंग के कारण इस मॉल के अंदर लाखों रुपये का सामान भी अंदर ही रह गया, जिसमें खाने-पीने का सामान भी उपलब्ध था।

नारनौल। मॉल को सील लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

शोरुम वर्कर्स को रोजगार की परेशानी

जिस मॉल को सील किया गया है, उस मॉल में कपड़ों एवं अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं का शोरूम चल रहा है। सिलिंग के दौरान इस मॉल में करीब 200 वर्कर काम कर रहे थे। सिलिंग टीम को देखकर इन कर्मचारियों में हड़कंप मच गया, लेकिन नगर परिषद की टीम अपनी कार्रवाई में जुटी रही। सिलिंग की कार्रवाई के चलते पहले सभी वर्करों को मॉल से बाहर निकाल दिया गया। बाद में उसका गेट बंद कर उसे लॉक लगाया गया तथा लॉक पर नगर परिषद ने अपनी मुहर एवं सील लगा दी। इस भवन में सिलिंग से कोई छेड़खानी नहीं करने का नोटिस भी चस्पाया गया है।

यह बोले नप ईओ

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि इस मॉल को पहले भी सील किया गया था, जिसके बाद मॉल के मालिक ने कोर्ट का सहारा लिया था। कोर्ट ने मालिक को दो साल का समय देकर इसकी सीएलयू लेने के लिए कहा था। मगर निर्धारित समय में मॉल के मालिक ने सीएलयू नहीं ली। जिस कारण इनको 280 का नोटिस दिया गया था। इसके उपरांत ही अब यह पूरी कार्रवाई की गई है।

नारनौल। गेट पर लगाई गई सील।

सिलिंग राजनीति से है प्रेरित

वहीं मॉल के मालिक लाजपत यादव ने बताया कि यह पूरा मामला राजनीति से प्रेरित है। बहन पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव से मेरा प्रोपर्टी का विवाद चल रहा है। उसी के इशारे पर यह कार्रवाई हो रही है। उन्होंने बताया कि इस मॉल के पीछे ही भारतीय जनता पार्टी कार्यालय का निर्माण चल रहा है। भाजपा कार्यालय के लिए भी न तो सीएलयू ली गई है और न ही अन्य आवश्यक कागजात तैयार किए गए हैं, जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। उन्होंने बताया कि डीटीपी की ओर से कोई मास्टर प्लान भी जिला में नहीं बनाया गया है। ऐसे में डीटीपी को भी सीएलयू देने में समय लग रहा है। उन्होंने बताया कि इस मॉल की उन्होंने कोर्ट से स्टे ली हुई है। कोर्ट से स्टे लेने के बावजूद यह पूरी कार्रवाई की गई है। आज ही दोपहर बाद इस मामले में तारीख भी है। उन्होंने कहा कि यह कोर्ट के आदेशों की अवहेलना है।

बकरी चराने गए व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

महरमपुर की दोहान नदी में बकरी चराने गए व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव का नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। गांव खोड़मा का रहने वाला करीब 47 वर्षीय कालूराम पुत्र रामस्वरूप बकरी चराने का काम करता था। वह गुरुवार सायं को महरमपुर के पास से गुजरती दोहान नदी में बकरी चरा रहा था। तब उसकी पत्नी भी उसके साथ थी, लेकिन घरेलू काम के चलते वह करीब चार बजे से पहले ही वहां से घर को लौट आई तथा पीछे से सायं करीब पांच बजे कालूराम की हालत खराब हो गई और वह वहीं एक पेड़ के नीचे लेट गया। इसके उपरांत आसपास के खेतों वाला एक किसान उसकी बकरियां लेकर उनके घर गया तथा कालू के बारे में बताया। इस पर घबराए परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव का नागरिक अस्पताल नारनौल से पोस्टमार्टम कराया तथा उसे परिजनों को सौंप दिया। मृतक अपने पीछे करीब 18 साल की लड़की एवं छह साल का एक लड़का छोड़ गया है। भाई सतीश ने बताया कि उन्हें किसी पर कोई शक नहीं है। मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा।

हुडा सेक्टर में दिन-दहाड़े ताले तोड़कर नकदी व गहने चोरी

नारनौल। शहर की पॉश कॉलोनी हुडा सेक्टर एक स्थित मकान में चोरों ने दिन–दहाड़े बंद मकान के ताले तोड़कर वहां से गहनों एवं नकदी की चोरी कर ली। पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी में दो चोर घर में प्रवेश करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

हुडा सेक्टर एक में बने मकान नंबर 62 निवासी सुबेसिंह ने बताया कि वीरवार को परिवार के सदस्य गांव में एक कार्यक्रम में भाग लेने गए हुए थे, जबकि सुबह करीब 10:30 बजे वह खुद तथा उसका बेटा मकान पर ताला लगाकर अपनी दुकान पर चले गए थे। जब शाम करीब 6:30 बजे जब परिवार के सदस्य लौटे तो देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ है। सुबेसिंह ने बताया कि जब तलाशी ली तो पता चला कि अलमारी का लॉक

तोड़कर 40 हजार रुपये की नकदी, एक जोड़ी कानों के टॉप्स, चार जोड़ी पायजेब तथा 105 अमेरिकी डॉलर चोरी कर लिए गए हैं। पड़ोसी के घर की सीसीटीवी फुटेज देखने पर दो अज्ञात युवक दोपहर करीब डेढ़ बजे घर में घुसते दिखाई दिए हैं। इस शिकायत पर कार्रवाई करते हुए महावीर चौकी से एएसआई प्रीत्तम सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। एएसआई प्रीत्तम ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर लिया है तथा आरोपितों की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

एलसीएलओ कर्मचारी 13 को करेंगे स्वास्थ्य मंत्री के आवास का घेराव

नारनौल। एलसीएलओ कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के रेवाड़ी आवास का घेराव करेंगे। इस प्रदर्शन में रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ व गुरुग्राम जिला के कर्मचारी शामिल होंगे। संगठन के जिला प्रधान दीपक ने बताया कि एलसीएलओ सीपीएलओ कर्मचारी यूनियन हरियाणा के बैनर तले मुख्यमंत्री के गृह नगर में कुरुक्षेत्र में 19 सितंबर से धरना दिया जा रहा है तथा 29 सितम्बर से क्रमिक अनशन पर बैठे है। हजारों एलसीएलओ का नियुक्ति के समय पदनाम बदल दिया गया जिसके चलते 18 महीने से न काम मिला और न ही वेतन। जबकि सरकार व विभाग द्वारा इनकी परीक्षा सीपीएलओ के पद हेतु ली गई थी। जिला प्रधान ने बताया कि क्रोड के तहत कर्मचारियों की नियुक्ति हरियाणा की 7000 ग्राम पंचायतों के ग्राम सचिवालयों में होनी थी, जहां बैठकर ये फैमिली आईडी से जुड़े कार्य, जैसे आय प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, पेंशन वेरिफिकेशन आदि कार्य करते। लेकिन चयन के बाद इसमें से करीब साढ़े तीन हजार को पदनाम बदलकर एलसीएलओ (लोकल कमेटी लोकल ऑपरेटर) का ऑफर ऑफ अप्वाइंटमेंट दिया। जबकि विज्ञापन सीपीएलओ (क्रिड़ पंचायत लोकल ऑपरेटर) का था। जिनका पदनाम बदलकर एलसीएलओ बनाया गया। इन कर्मचारियों अभी तक मानदेय नहीं मिल रहा है।

स्व. केवल राम जैन ने किया नेत्रदान

नारनौल। जैन समाज के वरिष्ठ नागरिक स्वर्गीय केवल राम जैन का देवलोक गमन पांच नवंबर को हो गया है। जीवन के अंतिम समय में जाते-जाते उन्होंने समाज की सेवा के उद्देश्य से अपने दोनों आंखों का दान देने का निश्चय किया। परिवार के सहयोग से उन्होंने अपनी आंखें आंख बैंक करनाल को दान दे दी ताकि जरूरमंद लोगों के द्वारा इस सुंदर संसार वह प्रभु के दर्शन का अवसर प्राप्त हो सके। उनके पुत्र संजय जैन व परिवार के सभी सदस्यों ने उनकी अंतिम इच्छा को अपने कर्तव्य मानकर पूरा करवाया उनके इस नेक कार्य में मानवीय विचारधारा की सभी समाज के लोगों ने काफी प्रशंसा की। उनमें इस नेत्रदान महादान से यह संदेश मिलता है कि इंसान मर कर भी जीवित रह सकता है इनके इस कार्य को लंबे समय तक याद किया जाएगा।

सुनहरा अवसर परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 7 नवंबर से आधिकारिक वेबसाइट पर शुरू

अधिसूचना जारी होने से हजारों अभ्यर्थियों को राहत मिली

रीट मेंस नोटिफिकेशन जारी: प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षकों के 7749 पदों पर बंपर भर्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिले से सटे राजस्थान में सरकारी शिक्षक बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने एक सुनहरा अवसर प्रदान किया है। बोर्ड ने राज्य के सरकारी स्कूलों में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षक के 7749 पदों पर सीधी भर्ती के लिए बहुप्रतीक्षित अधिसूचना जारी कर दी है। यह भर्ती प्रदेश में लंबे समय से लंबित थी और अब अधिसूचना जारी होने से हजारों अभ्यर्थियों को राहत मिली है।

परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 7 नवंबर से आधिकारिक वेबसाइट पर शुरू हो गई है। योग्य और इच्छुक उम्मीदवार अंतिम तिथि छह दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा प्राथमिक विद्यालय शिक्षक और उच्च प्राथमिक विद्यालय शिक्षक के लिए विस्तृत अधिसूचना छह नवंबर को जारी की गई।

नारनौल। आवेदन करने आए युवा। फोटो : हरिभूमि

श्रेणी	आवेदन शुल्क
सामान्य/क्रीमी लेयर ओबीसी /अति पिछड़ा वर्ग :	600 रुपये
नॉन-क्रीमी लेयर ओबीसी /अति पिछड़ा वर्ग/ईडब्लूएस/एससी/एसटी :	400 रुपये
सभी दिव्यांग अभ्यर्थी :	400 रुपये

कैसे करें आवेदन

योग्य उम्मीदवार राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर भर्ती विज्ञापन सेक्शन में रीट मैन्स से संबंधित लिंक पर क्लिक कर सकते है। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को सबसे पहले एसएसओ आईडी के माध्यम से लॉगिन करना होगा और सभी आवश्यक दस्तावेज, फोटो, और हस्ताक्षर अपलोड करके आवेदन शुल्क जमा करना होगा। उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि उन्होंने रीट परीक्षा आवश्यक न्यूनतम अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो और आवेदन करने से पूर्व सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करते हो। आवेदन में किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर उसे निरस्त किया जा सकता है।

आयु सीमा

न्यूनतम आयु :18 वर्ष
अधिकतम आयु : 40 वर्ष
आयु की गणना 01 जनवरी 2026 को आधार मानकर की जाएगी। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को राजस्थान सरकार के नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट प्रदान की जाएगी।

आवेदन शुल्क

उम्मीदवारों को आवेदन फॉर्म पूरा करने के लिए अपनी कैटेगरी के अनुसार ऑनलाइन शुल्क जमा करना आवश्यक है जो राज्य के अधिकृत जन सुविधा केंद्र के माध्यम से जमा किया जा सकता है।

पद का नाम - प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षक
कुल रिक्त पद : 7749
लेवल 1 (कक्षा 1-5) : 5636 पद
लेवल 2 (कक्षा 6-8) : 2123 पद
आवेदन की तिथियां : 7 नवंबर से 6 दिसंबर तक

पात्रता मानदंड : रीट पास होना अनिवार्य

रीट मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को राजस्थान सरकार द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करना अनिवार्य है जिसमें रीट परीक्षा पास करना सबसे महत्वपूर्ण शर्त है।

शैक्षणिक और अन्य योग्यताएं

स्तर	कक्षा	शैक्षणिक योग्यता	अन्य योग्यता
लेवल प्रथम	कक्षा 1 से 5	सीनियर सेकेंडरी में कम से कम 50 प्रतिशत अंक और दो वर्ष का डीएलएड डिप्लोमा।	रीट लेवल प्रथम परीक्षा पास
लेवल द्वितीय	कक्षा 6 से 8	स्नातक और 2 वर्ष का डीएलएड. या स्नातक में कम से कम 50 प्रतिशत अंक और बीएड	रीट लेवल द्वितीय परीक्षा पास

सूअर में पसीने की ग्रंथियां नहीं होती हैं, इसलिए वे ठंडा रहने के लिए कीचड़ में लौटते हैं।

यंगभूमि

बाज की दूर की दृष्टि औसत इंसान से लगभग 700% बेहतर होती है।

कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बन चमकाएं अपना करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

कंप्यूटर के कार्य करने के तरीके को जानकर उसका सुचारू रूप से संचालन करना कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर का कार्य होता है। कंप्यूटर अनुदेशक कंप्यूटर को इंस्ट्रक्टशन देता है या फिर कंप्यूटर इंस्ट्रक्टशन को लोगों को आम भाषा में सिखाता है इसे आप आसान भाषा में कंप्यूटर अध्यापक भी कह सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता देते हैं कि कंप्यूटर का उपयोग आज के समय में बड़े पैमाने पर किया जाता है। इसके लिए कंप्यूटर को इंस्ट्रक्टर करने वाले लोगों की भी डिमांड देश और दुनिया में हर दिन बढ़ रही है तो आइए कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के बारे में जानते हैं।

बहुत अधिक महत्व

कंप्यूटर का उपयोग तथा उसका महत्व क्या है? यह बात आप भली-भांति जानते ही होंगे, क्योंकि आज के समय में कंप्यूटर प्रत्येक छोटा से छोटा और प्रत्येक बड़ा से बड़ा कार्य कर लेता है। कंप्यूटर पर आज के समय में दुनिया भर के प्रत्येक काम किए जाते हैं। कंप्यूटर की मदद से ही बड़ी-बड़ी कंपनियां और बड़े बड़े उद्योगों को चलाया जाता है। इस तरह से कंप्यूटर की उपयोगिता के आधार पर आप इसकी जरूरत और इससे होने वाले फायदों के बारे में भली-भांति जान सकते हैं। कंप्यूटर आज के दैनिक जीवन में इस्तेमाल किए जाने वाला एक आम उपकरण बन चुका है जिसका इस्तेमाल भारत में तथा दुनिया भर में 80% से भी अधिक आबादी करती है। कंप्यूटर का उपयोग ज्योति नहीं करते हैं वह कंप्यूटर के द्वारा निर्मित या कंप्यूटर के सहयोग से बनी हुई वस्तुओं का उपयोग अवश्य करते हैं। इस बात से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कंप्यूटर आज के समय में कितना महत्वपूर्ण उपकरण बन चुका है। कंप्यूटर पर आधारित बड़े-बड़े उद्योग और बड़ी-बड़ी कंपनियां संचालित हैं। कंप्यूटर की मदद से ऑनलाइन कार्य किए जाते हैं और हर तरह के काम को आसान बनाया जाता है। कंप्यूटर बहुत सारे लोगों का काम अकेला ही तथा कुछ ही समय में कर देता है इसके अलावा काफी आसान तरीके से काम को निपटा देता है इसीलिए कंप्यूटर का महत्व है।

कौन होता है कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर

एक ऐसा व्यक्ति जो कंप्यूटर की प्रणालियों को समझ कर लोगों के इस्तेमाल के लिए कंप्यूटर को तैयार रखता है या कंप्यूटर की प्रणालियों को समझ कर लोगों को आसान भाषा में बताता है, ऐसे व्यक्ति को हम कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर कहते हैं। कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर एक प्रकार का कंप्यूटर अध्यापक होता है जो कंप्यूटर से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्य करता है। कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर का कार्य आमतौर पर बड़े-बड़े सरकारी विद्यालयों में तथा बड़े-बड़े प्राइवेट शिक्षण संस्थान में बच्चों को कंप्यूटर की क्लास के दौरान होता है।

कौन से कार्य करने होते

कंप्यूटर एक ऐसा उपकरण है जो जटिल से जटिल कार्य को कम से कम समय में पूरा कर देता है। कंप्यूटर को समझना बहुत आसान है और बहुत कठिन भी है क्योंकि हम जितना कंप्यूटर को समझेंगे उतना हम कार्य कर सकते हैं। लेकिन हम कंप्यूटर को पूरी तरह से नहीं समझ सकते, क्योंकि हम जितना चाहे उतना कंप्यूटर को समझ सकते हैं और जितना चाहे उतना अपनी समझ के अनुसार कंप्यूटर से कार्य करवा सकते हैं जो व्यक्ति जितना अधिक कंप्यूटर के क्षेत्र में आगे बढ़ता है। कंप्यूटर की शिक्षा प्राप्त करता है। वह उसके अनुकूल कंप्यूटर से संबंधित शिक्षा ग्रहण कर लेता है **Computer instructor** एक ऐसा ही पद होता है।

कंप्यूटर अनुदेशक की योग्यताएं

कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनना चाहते हैं तो आपको कुछ योग्यताएं पास करनी होगी, जिसके बाद ही आप कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बन सकते हैं क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण पद है। प्रत्येक व्यक्ति को कंप्यूटर के सेक्टर में अतिरिक्त और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त नहीं होती है। अगर आप कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनना चाहते हैं, तो आपको कंप्यूटर से संबंधित कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर की प्रणाली को गंभीरता से जानना होगा। कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनने की योग्यता इस प्रकार है।

- कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनाने के लिए आपको कंप्यूटर के सेक्टर में गहरी रूचि होनी चाहिए।
- आपके पास कंप्यूटर के क्षेत्र मे डिप्लोमा या कोई अतिरिक्त उच्च डिग्री होनी चाहिए।
- कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनने के लिए आपको कंप्यूटर को गहराई से समझना होगा।
- कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर की प्रणाली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करनी होगी।
- कंप्यूटर अनुदेशक बनने के लिए संबंधित शिक्षण संस्थान तथा वैकेंसी के अंतर्गत आवेदन करना होगा। कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनाने के लिए संबंधित लिखित एवं महत्वपूर्ण परीक्षा पास करनी होगी।

कैसे बनें : सरकारी नौकरी के तहत कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनने के लिए आपको शिक्षण संस्थान या संस्था द्वारा रिक्त पदों पर भर्ती के लिए मांगे गए आवेदन के अंतर्गत आवेदन करना होगा।

- आवेदन करने के बाद निर्धारित की गई योग्यता के आधार पर अपनी योग्यता सिद्ध करनी होगी।
- कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के लिए आयोजित परीक्षा अच्छें अंकों के साथ पास करनी होगी, तभी आपका नंबर मेरिट लिस्ट में आ पाएगा।
- अगर आपका नाम मेरिट लिस्ट में आ जाता है तो आप कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बन जाते हैं।
- कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनने के बाद कार्यरत होने से पहले आपको संबंधित अपने सभी दस्तावेजों को प्रमाणित करवाना होता है।
- प्राइवेट सेक्टर में कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनाने के लिए आपको संस्था या शिक्षण संस्थान के आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा।

सर्जरी के हीरो पर्दे के पीछे, करियर का बेहतरीन विकल्प

एनेस्थेसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट बन छू लें आसमान

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

सरकारी संस्थानों में परीक्षा के आधार पर ही दाखिला

अगर आप भी मेडिकल के क्षेत्र में अपना करियर चमकाना चाहते हैं तो आपके लिए एनेस्थेसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट का कोर्स एक बेहतर करियर विकल्प हो सकता है। यह कोर्स करने के बाद आप सर्जरी में पर्दे के पीछे के हीरो बन जाएंगे और अपने करियर को नई उड़ान दे सकेंगे। इसके साथ आपको मरीजों की सेवा करने का भी मौका मिलता है। मरीज की सर्जरी के समय ऑपरेशन थिएटर में एक संपूर्ण मेडिकल टीम सक्रिय रहती है, जिसमें सर्जन और एनेस्थेटिस्ट के साथ एक उच्च प्रशिक्षित तकनीकी विशेषज्ञ भी मौजूद होता है। यही विशेषज्ञ होता है जो एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट (एओटीटी) जो मरीज की सुरक्षा, ओटी उपकरणों की तैयारी और सर्जिकल प्रक्रिया की निरंतरता सुनिश्चित करता है। इस कारण इसे मेडिकल फील्ड के सबसे महत्वपूर्ण, लेकिन कम दिखाई देने वाले प्रोफेशन में से एक माना जाता है।

12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी) में न्यूनतम 50/55% अंकों के साथ पास होना जरूरी

बी.एससी. इन एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी

एनेस्थेसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट

एनेस्थेसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट एक टेक्नो-क्लिनिकल विशेषज्ञ होता है, जो सर्जरी से पहले, दौरान और बाद में तकनीकी तथा क्लिनिकल सपोर्ट प्रदान करता है।

ये हैं मुख्य जिम्मेदारियां :-

- ओटी की तैयारी और तकनीकी सेटअप
- मशीनों, मॉनिटर्स और उपकरणों की जांच व संचालन
- एनेस्थीसिया प्रक्रिया में सहायता
- स्टरलाइजेशन और संक्रमण नियंत्रण
- आईसीयू/आपातकालीन स्थितियों में तकनीकी सहायता
- कार्डियक/न्यूरो/ऑर्थो जैसे सुपर-स्पेशियलिटी ओटी में सपोर्ट

कोर्स की अवधि

बी.एससी. इन एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी एक 4 वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम है, जिसमें 3 वर्ष का अकादमिक प्रशिक्षण और 1 वर्ष की अनिवार्य क्लिनिकल इंटर्नशिप शामिल होती है। इस दौरान विद्यार्थियों को कक्षा शिक्षण, लैब प्रैक्टिकल्स तथा ऑपरेशन थिएटर एवं एनेस्थीसिया विभाग में वास्तविक कार्य अनुभव प्रदान किया जाता है। इंटर्नशिप के दौरान छात्र ओटी सेटअप, एनेस्थीसिया मशीनों का संचालन, लाइफ सपोर्ट इक्विपमेंट्स की मेंटेनेंस, सर्जिकल उपकरणों की स्टरलाइजेशन प्रक्रिया तथा मरीज की प्री ऑपरेटिव देखभाल जैसे महत्त्वपूर्ण कौशलों का प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। इसके अतिरिक्त, कई संस्थान विद्यार्थियों को केस स्टडी, वर्कशॉप्स, सिमुलेशन-बेस्ड ट्रेनिंग एवं रिसर्च प्रोजेक्ट्स जैसे माध्यमों से उन्नत व्यावहारिक ज्ञान हासिल करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। इस दौरान तकनीकी दक्षता के साथ-साथ आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता, टीमवर्क, रोगी सुरक्षा और पेशेवर संवेदनशीलता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

रोजगार के बेहतरीन अवसर

- बहु-विशेषता अस्पताल
- सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय
- आईसीयू / एनआईसीयू / क्रिटिकल केयर इकाई
- आपातकालीन एवं ट्रॉमा देखभाल सेवाएं
- दर्द प्रबंधन इकाइयां
- केन्द्रीय स्टरल सप्लाई विभाग एवं संक्रमण नियंत्रण
- सशस्त्र बल / ईएसआईसी / रेलवे चिकित्सा सेवाएं
- चिकित्सा उपकरण उद्योग

यह सिखाया जाता है इंटर्नशिप में : *इंटर्नशिप के दौरान छात्र वास्तविक अस्पतालों में कार्य करते हुए लाइव क्लिनिकल अनुभव प्राप्त करते हैं, जहां उन्हें ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में सेटअप, स्टरलाइजेशन और उपकरणों के संचालन, एनेस्थीसिया विभाग में IV लाइन लगाना, एयरवे मैनेजमेंट और दवाओं की तैयारी, आईसीयू/ सीसीयू/ एनआईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट एवं क्रिटिकल केयर मॉनिटरिंग, इमरजेंसी एवं ट्रॉमा में बीएलएस-एसीएलएस तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया, सीएसएसडी में उपकरणों की स्टरलाइजेशन प्रक्रिया एवं ओटी एसेप्सिस और पेन क्लिनिक में सेडेटिव व एनाल्जेसिक प्रक्रियाओं में सहायता जैसे कौशलों का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। यह एक वर्षीय क्लिनिकल प्रैक्टिस छात्रों को वास्तविक अस्पताल-परिस्थिति में दक्ष बनाकर उन्हें एक कुशल, व्यावहारिक और अस्पताल-योग्य प्रोफेशनल के रूप में तैयार करती है।*

कोर्स की योग्यता

इस कोर्स में प्रवेश के लिए छात्र को 12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी) में न्यूनतम 50/55% अंकों के साथ पास होना चाहिए। सरकारी संस्थानों में केवल प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही दाखिला होता है। आज कई निजी संस्थान भी यह कोर्स संचालित कर रहे हैं, लेकिन छात्रों को संस्थान चुनते समय उसकी मान्यता और क्लिनिकल ट्रेनिंग सुविधा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। चूंकि यह कोर्स तकनीकी और मरीजों के सीधे संपर्क से जुड़ा है, इसलिए व्यवहारिक ज्ञान इसकी सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इन संस्थानों से कर सकते हैं कोर्स

- पीजीआईएमएस रोहतक (पंडित भगवत दयाल शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक)
- पी.जी.आई. चंडीगढ़ (पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़)
- जेआईपीएमईआर (जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पुदुचेरी)
- जीएमसीएच चंडीगढ़। (शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, चंडीगढ़)
- एसजीपीजीआईएमएस (संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ)
- एम्स दिल्ली(अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली)
- एम्स भोपाल (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल)
- एम्स बिभीनगर (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिभीनगर, तेलंगाना)
- एम्स देवघर (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर
- एम्स गोरखपुर (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गोरखपुर)
- एम्स जोधपुर (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर)
- जामिया हमदर्द (जामिया हमदर्द (विमुक्त विश्वविद्यालय), नई दिल्ली)

वेतनमान के लिये ये श्रेणी

- **फ्रेशर:** 25,000 रुपये से 35,000 रुपये तक
- **सरकारी अस्पतालों में प्रारंभिक वेतन:** लगभग 60,000 रुपये प्रतिमाह से शुरू होता है।
- **अनुभवी (3–5 वर्ष):** 45,000 रुपये से 70,000 रुपये तक
- **सुपर स्पेशियलिटी/सीनियर:** 80,000 रुपये से 1,20,000+ रुपये तक संभव
- **विदेश में भी मौके :** 2–4 लाख रुपये प्रतिमाह तक संभव

गर्व का करियर

यदि आप बिना एमबीबीएस किए ही मेडिकल फील्ड में सीधा क्लिनिकल योगदान देना चाहते हैं, तो (बी.एससी. इन एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी) का कोर्स आपके लिए एक उत्कृष्ट और सम्मानजनक करियर विकल्प हो सकता है। यह प्रोफेशन न केवल तकनीकी दक्षता सिखाता है, बल्कि मरीज की जान बचाने वाली टीम का अभिन्न हिस्सा बनने का गर्व भी देता है। इस काम को करके आप एक अलग ही अनुभव महसूस करेंगे और अपने करियर को उड़ान दे सकेंगे। सर्जरी की सफलता और मरीज की सुरक्षा में एओटीटी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और अनिवार्य है। यही कारण है कि इन्हें सही मायनों में ऑपरेशन थिएटर के सच्चे हीरो कहा जाता है। अतः आप भी इस करियर विकल्प को अपनाकर पर्दे के पीछे के हीरो बनकर लोगों की जान बचाने में अहम योगदान दे सकते हैं।

प्राकृतिक संसाधनों का महत्व और सूर्य की तरह चमकने का रहस्य

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

भारत एक ऐसा देश है जहां त्योहार न केवल खुशियां बांटते हैं, बल्कि जीवन के गहन सबक भी सिखाते हैं। हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में दीपावली और छठ पूजा विशेष स्थान रखते हैं। दीपावली को प्रकाश का पर्व कहा जाता है, जबकि छठ सूर्य देव और प्रकृति की उपासना का प्रतीक है। ये त्योहार छात्रों के लिए न केवल सांस्कृतिक धरोहर हैं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को समझने और जीवन में सूर्य की तरह चमकने का मार्गदर्शन भी करते हैं। इस लेख में हम करेंगे कि छात्र इन त्योहारों से क्या सीख सकते हैं, प्राकृतिक संसाधनों की प्रासंगिकता क्या है और कैसे वे अपने जीवन को उज्ज्वल बना सकते हैं। भारत वो मिट्टी है जहाँ त्योहार सिर्फ़ उत्सव नहीं, मां की गोद जैसे हैं जो गले लगाकर सिखाते हैं कि जिंदगी का असली प्रकाश बाहर नहीं, अंदर जलता है। दीपावली और छठ... ये दो नाम सुनते ही आंखों में चमक और दिल में एक गुदगुदी सी होती है।

अंधेरा चाहे कितना गहरा हो, एक दीया काफी है

दीपावली वो मां है जो कहती है, "बेटा, अंधेरा चाहे कितना गहरा हो, एक दीया काफी है"। छठ वो दादी है जो नदी किनारे खड़ी होकर फुसफुसाती है, "सूरज को धन्यवाद देना, क्योंकि वो रोज तेरे लिए उगता है। ये त्योहार छात्रों के लिए सिर्फ़ छुट्टी नहीं दिल की क्लासरूम हैं। जहां प्राकृतिक संसाधन कोई सब्जेक्ट नहीं, सांसें हैं। और सूर्य की तरह चमकना कोई ड्रीम नहीं, विरासत है।

दीपावली: जब मां की हंसी दीयों में उतर आती है कार्तिक की अमावस्या। अयोध्या में राम लौटे थे। माँ सीता की आंखों में आंसू थे खुशी के। और आज? तुम्हारी माँ रसोई में दीये सजाती है। उसकी उँगलियाँ मिट्टी को छूती हैं। वो मिट्टी, जो तुम्हारे गाँव की है। वो तेल, जो खेतों से आया। वो बाती, जो दादी ने हाथ से काता।

दिल को छूने वाले सबक: 1. प्रकाश का महत्व: एक दीया जलता है तो लगता है, माँ की गोद में सोने जैसा सुकून। वो बताता है साधारण चीजों में भी जादू है। बिजली चली जाए तो क्या? तुम्हारा हौसला तो जल रहा है ना? आज की बिजली की बर्बादी देखकर मां रोती है। तुम बचाओ उसकी आँखों के आंसू बचेंगे।

2. **स्वच्छता और तैयारी:** दीवाली से पहले मां कहती है, "घर साफ़ करो, दिल भी साफ़ हो जाएगा"। परीक्षा का पेपर हो या जीवन का इम्तिहान सफ़ाई से शुरूआत होती है।

3. **साझेदारी और दान:** लक्ष्मी पूजन के बाद मां पड़ोसन को मिठाई देती है। "बेटा, जो बांटोगे, वही बढ़ेगा"। तुम्हारे नोट्स, तुम्हारा समय बांटो। एक दिन कोई तुम्हें अपना सूर्य बनाएगा।

छठ पूजा: जब नदी मां बनकर गाती है

बिहार की घाट। सुबह 4 बजे। ठंडी हवा। माँ सूप लिए खड़ी हैं। सूरज को पहला अर्घ्य। उस पल सूरज नहीं, माँ की आँखें चमकती हैं।

दिल को पिघला देने वाले सबक

1. **प्राकृतिक संसाधनों की पूजा:** ठेकुआ में गुड़ की मिठास, गन्ने में खेत की खुशबू, नारियल में समंदर की लहर। ये सब मां की थाली में हैं क्योंकि प्रकृति मां है। जल संकट में जब गाँव की नदी सूखती है, माँ की आँखें सूखती हैं। तुम बचाओ मां की मुस्कान बचाओ।
2. **कठिनाई में धैर्य:** 36 घंटे का निर्जला व्रत। मां कहती हैं, "बेटा, दर्द में भी धैर्य रखो"। **JEE** की रातें, इंटरव्यू की घबराहट याद रखो, माँ खड़ी थीं नदी में, तुम भी खड़े रहोगे।
3. **स्वास्थ्य और शुद्धता:** ठेकुआ खाकर मां कहती हैं, "शुद्ध खाओ, शुद्ध सोचो"। जंकफूड छोड़ो। मां की थाली में स्वास्थ्य है, इंस्टाग्राम में नहीं।

दीपावली और छठ जैसे त्योहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि जीवन दर्शन हैं। छात्र इनसे प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान, अनुशासन, धैर्य और सकारात्मकता सीख सकते हैं। आज के डिजिटल युग में जहां बच्चे स्क्रीन से चिपके रहते हैं, ये त्योहार उन्हें प्रकृति से जोड़ते हैं। आइए, इन त्योहारों को मनाते हुए वादा करें कि हम संसाधनों की रक्षा करेंगे और सूर्य की तरह चमककर देश का भविष्य उज्ज्वल बनाएंगे।

प्राकृतिक संसाधनों की प्रासंगिकता: मां की गोद ख़तरे में सूर्य की तरह चमकने का रहस्य: मां का आशीर्वाद सूरज रोज उगता है, क्योंकि मां रोज प्रार्थना करती है।"

सकारात्मक ऊर्जा: सूरज कभी नहीं कहता—"आज थक गया हूं"। तुम भी मत कहो। मां की लोरी में ताकत है।

ज्ञान का प्रकाश: दीपावली का दीया मां की आंखों की चमक। पढ़ो, ताकि अज्ञानता का अंधेरा भागे।

स्वास्थ्य और अनुशासन: छठ का उपवास, मां का **detox**। योग करो। सुबह उठो। मां की थाली में जादू है।

सामान्य ज्ञान

1. किसे कंप्यूटर का पितामह कहा जाता है
(ए) हरमन होलेरिथ
(बी) चार्ल्स बेबेज
(सी) बेल्स पास्कल
(डी) जोसेफ जैक्युर्ड

2. कम्प्यूटर के विकास में सर्वाधिक योगदान किसका है
(ए) हरमन होलेरिथ
(बी) चार्ल्स बेबेज
(सी) बेल्स पास्कल
(डी) वान न्यूमन

3. प्रथम अंकीय कम्प्यूटर के ब्लू प्रिंट के विकास में सर्वाधिक योगदान किसका है
(ए) हरमन होलेरिथ
(बी) चार्ल्स बेबेज
(सी) बेल्स पास्कल
(डी) विलियम बुरोस

4. सर्वप्रथम आधुनिक कम्प्यूटर की खोज कब हुई
(ए) 1946 ई.
(बी) 1950 ई.
(सी) 1960 ई.
(डी) 1965 ई.

5. कम्प्यूटर की भौतिक बनाबट कहलाती है
(ए) सॉफ्टवेयर
(बी) हार्डवेयर
(सी) फर्मवेयर
(डी) ह्यूमन वेयर

6. कम्प्यूटर के संचालन में प्रयुक्त प्रोग्राम.नियम तथा कम्प्यूटर क्रियाओं से सम्बन्धित अन्य लिखित सामग्री को कहा जाता है
(ए) सॉफ्टवेयर
(बी) हार्डवेयर
(सी) नेटवर्क
(डी) फर्मवेयर

7. कम्प्यूटर का नियंत्रक भाग कहलाता है
(ए) प्रिंटर
(बी) कुंजी पटल
(सी) **CPU**
(डी) हार्ड डिस्क

उत्तर 1.(बी) 2.(डी) 3.(बी) 4.(ए) 5.(बी) 6.(ए) 7.(सी)

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन गांव दुल्हेड़ी में हुआ

वंदे मातरम गीत के शब्दों में निहित देशभक्ति, साहस व एकता : सांसद

कलाकारों ने गीतों व नृत्य की दी प्रस्तुति, कवियों ने ग्रामीणों को किया हंसी से लोटपोट

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

गांव दुल्हेड़ी में शुक्रवार को युवा स्वच्छता एवं जनसेवा समिति द्वारा संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के 100वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया। शुक्रवार को प्रथम दिवस विराट कवि सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसका शुभारंभ भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मवीर सिंह ने बतौर मुख्यतिथि पहुंचकर अटल बिहारी वाजपेई की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन गांव दुल्हेड़ी की नामदेव धर्मशाला में सांसद धर्मबीर सिंह की अध्यक्षता में हुआ। सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि 'वंदे मातरम' के शब्द हमारे भीतर देशभक्ति, साहस और एकजुटता की भावना को जागृत करते हैं। इस दौरान विराट कवि सम्मेलन में पहुंचे अंतर्राष्ट्रीय हास्य कवि दीपक सैनी ने कविताओं से ग्रामीणों को बखूबी हंसी के ठहाके लगवाए, वहीं झज्जर से पहुंचे हरियाणवी हास्य कवि मास्टर महेंद्र कुमार ने मेरी दादी का घाघरा नामक कविता की शानदार प्रस्तुति से श्रोताओं को हंसी के मारे लोटपोट कर दिया। दिल्ली से पहुंची कवियत्री रजनी अवनी गीत गजल ने अपनी मधुर वाणी में ओ मां शारदे मेरी मैं करूं वंदना तेरी... गीत की शानदार प्रस्तुति देकर समा बांध दिया। हिसार से पहुंचे प्रियंका डांसर ग्रुप ने विभिन्न गीतों पर जो शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी। गांव सरल के विख्यात हरियाणवी गायक कलाकार विश्वजीत चौधरी ने हरियाणवी गीतों की भव्य प्रस्तुति दी। मंच संचालन हरियाणवी गायक बलवान सिंह ने युवा स्वच्छता एवं जनसेवा समिति की गीत के माध्यम से खूबियां गिनवाई। इस अवसर पर युवा स्वच्छता एवं जन सेवा समिति के प्रधान पवन सैनी, साधुराम जांगड़ा, नत्थूराम जांगड़ा, सरपंच रामेश्वर, समाज सेवी गजाननंद अग्रवाल, रामेश्वर जांगड़ा, बीरसिंह राजपूत, सोनू, मास्टर अश्वनी महता, प्रदीप शास्त्री, सुनील सुरा सरल व कमलेश मौजूद रहे।

भिवानी। प्रतिभागियों को सम्मानित करते सांसद धर्मबीर सिंह तथा बवानी खेड़ा में कार्यक्रम को संबोधित करते विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि। फोटो : हरिभूमि

प्रदर्शनी ने दी वंदे मातरम गीत के इतिहास की जानकारी

भिवानी। पंचायत भवन परिसर में कार्यक्रम स्थल पर सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा वंदे मातरम पर आधारित प्रदर्शनी लगाई। सभी ने वंदे मातरम के रचयिता और उनके इतिहास को जाना। इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ. रघुबीर शांडिल्य, डीईओ डॉ. निर्मल दहिया, उप जिला शिक्षा अधिकारी शिवकुमार तंवर, डीडीपीओ सोमबीर कादयान, डीआईओ अमित लांबा, बीईओ डॉ. अनिल गौड़, डीपीओ वैशाली, डीएसपी अनूप कुमार व मनीष कुमार, ईओ राजाराम आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रगीत देश की एकता एवं अखंडता का प्रतीक : विधायक कपूर

बवानीखेड़ा। विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने कहा कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम ने आजादी से पहले जनमानस के अंदर देश भक्ति का जज्बा भरने का काम किया। देश को आजादी दिलाने में अनेक ज्ञात और अज्ञात शहीदों ने अपनी जान की कुर्बानी दी, हमें उन वीर महा योद्धाओं को कभी नहीं भुलाना चाहिए। विधायक वाल्मीकि शुक्रवार को वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष में बवानीखेड़ा के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि अपना संदेश दे रहे थे।

लोहारू। चौधरी बंसीलाल कॉलेज में कार्यक्रम को संबोधित करते एसडीएम दलाल। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के महत्व पर डाला प्रकाश

लोहारू। चौधरी बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गीत के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम मनोज दलाल ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की और युवाओं को राष्ट्रीय गीत के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सुजीत कुमार ने मंच संचालन किया। इस मौके पर प्रो. डॉ. सुखवीर सिंह, डॉ. बजरंग, अनिरुद्ध, विजय कुमार, रमेश कुमार, डॉ. अशोक, डॉ. अंजू, डॉ. मीनेश, डॉ. वीरेंद्र सिंह मौजूद रहे। वहीं दूसरी ओर सावित्रीबाई फुले राजकीय महिला महाविद्यालय में कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. प्रमोद कुमार के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ।

वंदे मातरम गीत एकता का प्रतीक : विधायक

भिवानी। पंचायत भवन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार को जिलास्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का 9:50 बजे सामूहिक गायन हुआ। विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि शिरकत की तथा भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने कार्यक्रम में अध्यक्षता की। इस दौरान एडीसी दीपक बाबू लाल करवा, सीईओ जिला परिषद अजय चोपड़ा, एसडीएम महेश कुमार व नगराधीश अनिल कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का लाइव संदेश दिखाया। इस दौरान वंदे मातरम पर आधारित एक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका मुख्यतिथि, विशिष्ट मेहमानों व मौजूद लोगों ने उत्सुकता के साथ अवलोकन किया। मेहमान का स्वागत किया।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर निकाली रैली

भिवानी। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के स्थापना दिवस तथा वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भिवानी की जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. निर्मल दहिया के दिशा-निर्देशानुसार शुक्रवार को राजकीय मॉडल संस्कृति वमा विद्यालय में जिला स्तरीय भव्य रैली का आयोजन किया। रैली को प्राचार्या सविता घनघस ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर जिला संगठन आयुक्त स्काउट पवन कुमार और जिला संगठन आयुक्त गाइड रितु परमार ने बताया कि भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने और राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर जिला संयोजक राकेश कुमार रोहिल्ला, मनजीत सिंह, खंड संयोजक जितेंद्र शास्त्री, स्काउट मास्टर जोगिंदर, शैलेश जांगड़ा, आशुतोष, अजेंद्र, रवि, पेट्रोल लीडर मयांश, गर्वित आदि का विशेष योगदान रहा।

भिवानी। कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्राएं।

वंदे मातरम के 150 वर्ष के स्मरणोत्सव पर गूंजा शिक्षा बोर्ड

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बोर्ड के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार ने की। इस अवसर पर बोर्ड उपाध्यक्ष सतीश शाहपुर एवं बोर्ड के अधिकारी/कर्मचारियों के साथ-साथ सर्वपल्ली राधाकृष्णन लैब स्कूल के अध्यापक एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। सर्वपल्ली राधाकृष्णन लैब स्कूल के विद्यार्थियों ने देशभक्ति पर आधारित आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

आदर्श महिला महाविद्यालय में गाया वंदे मातरम

भिवानी। आदर्श महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं जयंती बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाई। कार्यक्रम एनसीसी, एनएसएस एवं संगीत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया। महाविद्यालय की उपप्राचार्य डॉ. अपर्णा बत्रा ने कहा कि 'वंदे मातरम' गीत आज भी हमारे भीतर रोमांच और गौरव की भावना उत्पन्न करता है।

भिवानी। सामूहिक रूप से वंदे मातरम गीत गाते शिक्षक व विद्यार्थी।

स्वयंसेवकों ने गाया राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम

भिवानी। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हरियाणा सरकार के निर्देशों के तहत शुक्रवार को महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय में देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम का आयोजन किया। इस विशेष अवसर पर पूरा महाविद्यालय परिसर राष्ट्रीय गौरव और उत्साह की भावना से सराबोर हो उठा। महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों, एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवकों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का भावपूर्ण गायन किया। इस गायन से उत्पन्न वातावरण ने सभी उपस्थित लोगों को देशभक्ति के गहरे रंग में रंग दिया और पूरा माहौल वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा।

जहां वन्दे मातरम की आवाज गूंजती, वहां भारत माता का गौरव अमर रहता : डॉ. संजय

भिवानी। वन्दे मातरम हमें याद दिलाता है कि हमारी यह धरती केवल भूमि नहीं,बल्कि हमारी मां के समान है जो हमें अन्न, जल और जीवन देती है, जहां वन्दे मातरम की आवाज गूंजती है, वहां भारत माता का गौरव अमर रहता है, ये बात राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के स्मरणोत्सव पर प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने कही। महाविद्यालय परिसर में सामूहिक वन्दे मातरम गायन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. संजय गोयल,डॉ. कामना कौशिक, डॉ. मोहनलाल आदि शामिल हुए।

भिवानी। वंदे मातरम गीत व प्रधानमंत्री का लाइव प्रसारण देखते शिक्षक व विद्यार्थी।

भिवानी। राजकीय महिला महाविद्यालय बाढड़ा में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं व स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

बाढ़ड़ा महिला महाविद्यालय में वंदे मातरम का गायन

बाढ़ड़ा। राजकीय महिला महाविद्यालय बाढ़ड़ा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। आयोजन महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य डॉ. सूबे सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। वहीं प्रीति ने खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में वंदे मातरम विषय पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किया। कार्यकारी प्राचार्य डॉ. सूबे सिंह ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि ये भारत माता के प्रति श्रद्धा, समर्पण और एकता का प्रतीक है।

खबर संक्षेप

बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा का अगला चरण 11 से

भिवानी। पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस की प्रदेशव्यापी सद्भाव यात्रा का अगला चरण 11 नवंबर से नांगल चौधरी से शुरू होगा। यह यात्रा 11 नवंबर से 5 दिनों तक नारनौल और महेंद्रगढ़ के विभिन्न गांवों में घूमेगी, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में सद्भाव, एकता और भाईचारे का संदेश देना है। युवा शक्ति बदलाव की ओर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिवाच ने यह जानकारी दी।

भारतीय सेना में कॅरियर को लेकर दी जानकारी

भिवानी। गांव बामला स्थित राजकीय वमा विद्यालय में शुक्रवार को प्रेरणादायी सेमिनार का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों को भविष्य की रोजगारपरक परिस्थितियों, नई शिक्षा नीति-2020 और भारतीय सेना में कॅरियर के अवसरों के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर सेना से सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर रणधीर सिंह ग्रेवाल बामला ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित किया।

कानूनी जागरूकता कैंप में किया जागरूक

भिवानी। राजकीय कन्या वमा विद्यालय खरककलां में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण दिवस पर सेमिनार व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय कानूनी साक्षरता क्लब के तत्वाधान में प्राचार्या डॉ. रीमा परमार के कुशल मार्गदर्शन में किया। क्लब इंचार्ज निरंजनपाल व सुनीता ने छात्राओं को कानूनी जानकारी प्रदान की। विद्यार्थियों तथा समुदाय में मुक्त कानूनी सहायता प्रदान करने तथा मानसिक व बौद्धिक रूप से पिछड़े, मंदबुद्धि जनों के संबंध में निःशुल्क कानूनी सहायता व अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए सेमिनार तथा विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जाता है।

भिवानी। विजेताओं को सम्मानित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

कहानी में निधि व कविता लेखन में लगन प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

राजकीय आईटीआई संस्थान में आयोजित दो दिवसीय युवा महोत्सव कार्यक्रम के अंतिम दिन अनेक प्रतियोगिताएं हुई। इस अवसर पर वन्दे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय गीत गायन किया। अतिथि विरेंद्र व प्राचार्य बलबीर सिंह ने पुरस्कार वितरित किए। युवा महोत्सव की कहानी लेखन में निधि को प्रथम, प्रियंका द्वितीय और प्राची शर्मा ने तृतीय, वक्तत्व में अनुसूया ने प्रथम, दीपांशी ने द्वितीय और आदम्य प्रताप सिंह ने तृतीय, विज्ञान मेला (ग्रुप) में रिद्धि गुप्ता एवं उनकी टीम ने प्रथम, पूरवा रानी टीम ने द्वितीय और चिराग चांदना टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं विज्ञान मेला (एकल) में आकांक्षा, योगेश सिंह और अंकित क्रमशः पहले तीन स्थानों पर रहे। कविता लेखन में लगन, संजना और सनेहा, चित्रकला में पलक, ऋषभ व आयुष विजेता रहे। समूह लोक वादन में विकास व उनकी टीम, एकल वादन में भवय, समूह लोकगीत में वंशिका, शीतल, पवन की टीमों ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

नन्हे-मुन्नों ने उत्साह से मनाया ओरेंज कलर डे

भिवानी। लिटिल हार्टस कान्वेन्ट स्कूल में प्री-नर्सरी, नर्सरी व एलकेजी कक्षा के बच्चों ने ओरेंज कलर डे मनाया। विद्यालय के महासचिव संजय गोयल, एमडी पवन गोयल व भावना गोयल ने बताया कि नन्हे-मुन्हे बच्चों ने अपने उत्साह व आत्मविश्वास का परिचय देते हुए एक से बढ़कर एक अपनी उत्कृष्ठ प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने आकर्षक फलों की वेशभूषा में किरदार निभाते हुए जीवन में फलों व स्वस्थ खान-पान वस्वास्थ्य संबंधी संदेश दिए। इस अवसर पर प्राचार्या वीना सेठ, को-आर्डिनेटर ज्योति, अन्नु, रिटा शर्मा, कविता, ज्योति मेहता, रेखा, मंजु यादव, नीलम शर्मा, रीना, हिमांशी, आशा, पायल व अनीता आदि उपस्थित रहे।

श्रीनारायण दत बालाजी मंदिर में हुआ भंडारा व जागरण

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा स्थित श्रीनारायण दत्त बालाजी मंदिर में 14 नवंबर को भव्य भंडारा, सत्संग एवं रात्रि जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए राजेन्द्र सैनी एवं सुरेश जांगड़ा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः मंगल आरती से होगी। तत्पश्चात श्रद्धालुओं के लिए भंडारा एवं सत्संग का आयोजन प्रातः 10 बजे होगा। रात्रि जागरण एवं भक्ति संध्या का कार्यक्रम शाम 9 बजे से प्रारंभ होगा। जागरण में प्रसिद्ध भजन मंडलियां अपनी प्रस्तुतियों प्रस्तुत करेंगी।

बाढडा। गांव कारी में महिला सांस्कृतिक केन्द्र का उद्घाटन करती सरपंच डॉ. ज्योति शर्मा। फोटो : हरिभूमि

सरपंच ने सांस्कृतिक केन्द्र का किया उद्घाटन

बाढ़ड़ा। शुक्रवार को गांव कारी में सरपंच डॉ. ज्योति शर्मा ने महिला सांस्कृतिक केंद्र का उद्घाटन कर महिलाओं को धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर भागीदारी का आह्वान किया। उद्घाटन अवसर पर डॉ. ज्योति ने बताया कि हमारे गांव की महिलाओं के लिए फुर्सत के क्षणों में मनोरंजन करने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए महिला सांस्कृतिक केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

मॉडल स्कूल ने जीता बेस्ट परफॉर्मर का खिताब

तोशाम। राजकीय मॉडल संस्कृति वमा विद्यालय लोहड़ में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में वीर शहीद ईश्वर सिंह राजकीय मॉडल संस्कृति वमा विद्यालय तोशाम की एनएसएस इकाई व कक्षा ग्यारहवीं के चार स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। शिविर के दौरान आयोजित सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धा और रंगोली में विद्यालय की आभा ने खेल गतिविधियों एवं परेड में सरिता व एकेडमिक प्रतियोगिता भाषण, पोस्टर और निबंध लेखन में विद्यालय की पूर्वा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। ग्यारहवीं के स्वयंसेवक आयुष वर्मा ने सातों दिनों की रिपोर्ट अनुशासनात्मक रूप से बेहतरीन प्रेजेंटेशन बनाकर प्रस्तुत की। सात दिनों में देश के विभिन्न राज्यों से आए कार्यक्रम अधिकारियों से बने निर्णायक मंडल ने प्रतिभागी स्वयंसेवकों के अनुशासनात्मक व्यवहार और गतिविधियों में प्रतिभागिता को देखते हुए बेस्ट परफॉर्मर इन डिसिप्लिन का खिताब दिया, जो विद्यालय के लिए गौरव है। कार्यक्रम अधिकारी ज्योति रानी ने बताया कि शिविर ने देश के विभिन्न हिस्सों से आए विद्यार्थियों को एक-दूसरे की संस्कृति को समझने और सांझा करने का अवसर दिया। प्राचार्य सुदेश यादव ने स्वयंसेवकों व कार्यक्रम अधिकारी ज्योति की कार्यशैली व गतिविधियों की भावपूर्ण प्रशंसा की और अग्रिम शुभकामनाएं दी।

स्काउट्स एंड गाइड्स का 75वां स्थापना दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा राज्य भारत स्काउट गाइड की शाखा चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप के जिला के कार्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र में शुक्रवार को संगठन का 75वां स्थापना दिवस बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने व स्काउट प्रार्थना के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रुप लीडर सागर सज्जन सिंह एवं ग्रुप कोर्डिनेटर राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री अवार्डी मास्टर लक्ष्मण गौड़ ने की। मंच संचालन सह ग्रुप लीडर अमित कुमार ने किया। इस दौरान रंगोली प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में श्री महावीर जैन स्कूल की प्राचार्या एवं गाईड कैप्टन पुष्पा देवी रही। ग्रुप लीडर सागर एवं ग्रुप कोर्डिनेटर लक्ष्मण गौड़ ने बताया कि कैंप में करीबन 120 बच्चों ने भाग लिया। मंत्री अरविंद शर्मा का संदेश भी सुनाया।

भिवानी। पौधरोपण करते स्काउट्स एंड गाइड्स। फोटो : हरिभूमि

आधुनिक समय में विज्ञान का बड़ा योगदान

चरखी दादरी। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

चरखी दादरी। गांव मकडानी स्थित नवयुग विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों को विज्ञान विषय के प्रति अधिक से अधिक प्रेरित करने के लिए प्रतियोगिता का आयोजन निदेशक अजय जाखड़ की अध्यक्षता में किया गया। फिजिक्स लेक्चरर अमित वत्स के मार्गदर्शन में स्पर्धा आयोजित की, जिसमें विभिन्न कक्षाओं से बच्चों ने सहभागिता करते हुए संबंधित विषय में अपने ज्ञान व कौशल का परिचय दिया। प्रतियोगिता अत्यंत ही रोचक रही व कड़े मुकाबले के उपरांत अपनी अपनी कक्षाओं से प्रथम स्थान पर मीनू प्रजापति, हर्ष फौगाट, साक्षी, अंश शर्मा, स्वाति आदि रहे। द्वितीय स्थान अनुज फौगाट, मोंटी, अंकिता, हर्षिता फौगाट व साक्षी ने पाया।

NOTICE
I, Krishan Kumar S/o Shri Mahabir Singh R/o Village Kojinda, Tehsil Narnaul, Distt Mohindergarh (Haryana) declare that name of the deponent wife name is mentioned as Vijay Devi in my daughter Shivani 10th class marksheet which is wrong. The correct name of the deponent is Krishan Kumar and deponent wife correct name is Vijay Kumari.

पेनल्टी शूट आउट में चार गोल के मुकाबले ठोके पांच गोल, जीती प्रतियोगिता

हरियाणा ओलंपिक खेलों में भिवानी की बेटियों ने जीता गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के मार्गदर्शन में राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन करनाल के मधुबन में 4 नवंबर से 7 नवंबर तक हुआ। फुटबॉल का फाइनल मैच रोमांचक रहा, जो भिवानी व हिसार की टीम के बीच खेला गया। पेनल्टी शूट आउट में चार गोल के मुकाबले में पांच गोल ठोककर भिवानी की टीम ने गोल्ड मेडल पर कब्जा किया। कप्तान मंजू के नेतृत्व में समीक्षा, रिंकू, पूजा, तमन्ना, मुस्कान, ममता, संतोष, हिमांशी, पूजा जाखड़, खुशबू, पारुल, प्रीति, रीना, खुशी, श्वेता जाखड़, दीपशिखा व ऋतु ने मैच में दमखम दिखाया। कोच की भूमिका बनीता राय ने अदा की। गोल्ड मेडल जीतने पर क्लब के प्रधान सुरेश जाखड़, सोमदत्त, सरपंच राजदीप समोता, पूर्व सरपंच संजय चौहान, राजेश हवलदार बड़ेसरा, मनीष लांबा, सोनिका कोच, प्रकाश जाखड़, बलबीर जाखड़, पूनम यादव व गजानंद कौशिक ने सभी विजेता बेटियों को बधाई दी।

बवानी खेड़ा। कोच के साथ विजेता भिवानी की फुटबॉल टीम।

खेल महाकुंभ में खिलाड़ियों ने जीता कांस्य

भिवानी। खेल नगरी भिवानी के खिलाड़ियों ने एक बार फिर से अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए खेल महाकुंभ में पदक जीतकर क्षेत्रवासियों को गौरवांवित करने का काम किया है। बता दें कि 13 वर्ष बाद हरियाणा राज्य ओलंपिक संघ की ओर से करवाई जा रही तीन दिवसीय नेटबाल खेल प्रतियोगिता में कलिंगा स्कूल की टीम ने कांस्य पदक जीत कर गांव व विद्यालय का नाम रोशन किया। स्कूल संचालिका रेणुका शर्मा व प्राचार्य बजरंग तंवर ने बताया कि प्रतियोगिता 3 नवंबर से 5 नवंबर तक सोनीपत में हुई, जिसमें विद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और बेहतर प्रदर्शन, मेहनत से सफलता अर्जित कर कांस्य पदक जीता। विद्यालय पहुंचने पर सभी खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया।

खबर संक्षेप

सनातन धर्म उत्थान का राष्ट्रीय अधिवेशन आज से

कनीना। सनातन धर्म उत्थान समिति का दो दिवसीय अधिवेशन आठ नवंबर से शुरू होगा। गांव गोमली निवासी एवं सनातन धर्म उत्थान समिति के प्रदेश संयोजक रामरतन शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष योग तीर्थ स्वामी आत्मानंद सरस्वती के सानिध्य में आठ से नौ नवंबर को उदयपुरवाटी झुंझुनूं में आयोजित होने वाले इस अधिवेशन में देश-प्रदेश से जुटे पदाधिकारी समाज उत्थान को लेकर मंथन करेगें।

स्कूल में मनाई वंदे मातरम गीत की वर्षगांठ

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैलाफ में प्राचार्य लोकेश कुमार के मार्गदर्शन में तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी धर्म सिंह के नेतृत्व में वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर सामूहिक रूप से राष्ट्र गीत वंदे मातरम का गायन किया गया, जिसमें सभी स्टाफ सदस्यों, स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं व ग्रामीणों ने भाग लिया। धर्म सिंह ने कहा कि वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर भारत सरकार द्वारा देश में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम सात नवंबर से 14 नवंबर तक आयोजित किया जा रहे हैं।

शूर सैनी जयंती को लेकर शुरू की तैयारियां

नारनौल। आगामी 16 नवंबर को नई अनाज मंडी में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। महाराजा शूर सैनी जयंती के उपलक्ष में होने वाले इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के कोने-कोने से नागरिकों का आगमन होगा। इन्हीं तैयारियों को लेकर उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने कार्यक्रम स्थल का दौरा करके तैयारियों का जायजा लिया।

बाबूराम के निधन पर शोक व्याप्त

मंडी अटेली। पत्रकार विनोद शर्मा के पिता बाबूराम का बीमारी के चलते शुक्रवार को देहान्त हो गया। वे 85 वर्ष के थे। शांत स्वभाव व मिलनसार बाबूराम पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे, उनको उपचार के लिए नारनौल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्होंने अन्तिम सांस ली। वे अपने पीछे एक भरा पूरा परिवार छोड़ गए। कस्बे के अनेक गणमान्य लोगों शोक व्यक्त किया है।

कुरुक्षेत्र में होने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में हरियाणा के प्रत्येक जिले से सरकारी स्कूल के नौंवी से 12वीं कक्षा से 272 विद्यार्थी पहुंचेंगे

सरकारी स्कूल में नौंवी से 12वीं के विद्यार्थी करेंगे कुरूक्षेत्र में गीता भ्रमण, साथ ही गीता महोत्सव के कार्यक्रम क्राफ्ट मेला, पुरूषोतम बाग की आरती, पुस्तक मेला, विभिन्न सांस्कृति कार्यक्रम व दियोत्सव आदि भी शामिल होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

कुरूक्षेत्र में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में हरियाणा के प्रत्येक जिला से सरकारी स्कूल के नौंवी से 12वीं कक्षा से 272 विद्यार्थी पहुंचेंगे। हरियाणा में ऐसे 14 जिला होंगे, जहां से आने वाले विद्यार्थी व अन्य स्टाफ का दो रात्रि ठहराव होगा। बाकी आठ जिलों का एक दिन का रात्रि ठहराव किया जाएगा। आवागमन, रहना व भोजन संबंधित सभी व्यवस्था शिक्षा विभाग करेगा। इसके लिए कुरूक्षेत्र डीईओ को प्रदेश का नोडल अधिकारी बनाया गया है। उनके पास ही सभी जिलों को बच्चों सहित स्टाफ जो इस गीता महोत्सव में आएंगे, डिटेल भेजनी होगी। खास बात यह है कि इस महोत्सव के अलावा विद्यार्थी ब्रह्मसरोवर, ज्योतिसर के अतिरिक्त कुरूक्षेत्र के अन्य पर्यटन स्थल जिसमें श्रीकृष्णा म्यूजियम, पनोरामा, हरियाणा धरोहर, शेख चिल्ली मकबरा, हर्ष का टीला, कल्पना चावला प्लेनीटोरियम तथा इसके साथ-साथ इस दौरान गीता महोत्सव के कार्यक्रम क्राफ्ट मेला, पुरूषोतम बाग की आरती, पुस्तक मेला, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, दियोत्सव आदि भी शामिल होंगे। यह कार्यक्रम कक्षा नौंवी से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए अति महत्वपूर्ण है, जिसमें शैक्षणिक भ्रमण के सभी पहलू जैसे सीखना, देखना, समझना, अनुभव करना शामिल है तथा उस पर फिर संस्मरण लिखना संभव है क्योंकि यह पर्यटन केवल धार्मिक यात्रा नहीं है बल्कि इनमें इतिहास, भूगोल, पर्यावरण, प्रबंधन, क्रियान्वयन, विज्ञान एवं संस्कृति, गणित एवं वाणिज्य सभी विषय जुड़े है। इसके लिए दो-तीन दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। दूरी, सर्दी एवं धुंध की विभीषिका के मद्देनजर ऐसे जिले जिनकी कुरूक्षेत्र से दूरी अधिक है, उनके लिए दो रात्रि ठहराव तथा जो जिले कुरूक्षेत्र जिले के समीप है, उनके लिए एक रात्रि ठहराव के शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

15 नवंबर से पहले सांझा करनी होगी सूची

भ्रमण के लिए जिल से जाने वाले विद्यार्थियों व अध्यापकों की सूची 15 नवंबर से पूर्व कुरूक्षेत्र जिला शिक्षा विभाग के साथ साझा करनी होगी। इसके लिए गूगल फार्म सांझा किया जाएगा ताकि विद्यार्थियों का विवरण जैसे नाम, एसआरएन, कक्षा, मोबाइल नंबर, विद्यालय का नाम इत्यादि प्राप्त हो सके। इसी सिलसिले में कुरूक्षेत्र डीईओ प्रदेश के सभी डीईओ के साथ 10 नवंबर को वीडियो कांफ्रेंस करें।

क्या कहते है डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने बताया कि इस संबंध में पत्र मिल चुका है। सभी बीईओ के मार्फत स्कूलों से बच्चों की सूची तैयार करवाई जा रही है। कुरूक्षेत्र में बच्चों को जहां गीता महोत्सव में भागीदारी रहेगी, वहीं महोत्सव से जुड़े कार्यक्रम स्थल, संग्राहलय भ्रमण भी होगा।

सभी जिलों को राशि जारी की जा चुकी

शैक्षणिक भ्रमण के लिए कक्षा नौंवी से 12वीं के विद्यार्थियों तथा उनके साथ जाने वाले अध्यापकों को जिला वाइज बांटा गया है। एक जिला से 138 छात्र, 138 छात्राएं, 10 अध्यापक, 10 अध्यापिकाएं और दो संयोजक होंगे। कुल मिलाकर एक जिला से 298 का ग्रुप होगा। इस शैक्षणिक भ्रमण के लिए ठहरने, भोजन, जलपान, स्थानीय भ्रमण, अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव से जुड़े कार्यक्रम स्थलों, संग्राहलय भ्रमण आदि के लिए कुरूक्षेत्र जिला शिक्षा विभाग को नोडल बनाया गया है ताकि सभी जिला से समन्वय करके विभागीय नियमों का पालन करते हुए कमेटियों का समुचित गठन करके पारदर्शिता से इस शैक्षणिक भ्रमण का प्रबंध करें। प्रत्येक जिले से कुरूक्षेत्र तक की ट्रांसपोर्ट का कार्य संबंधित जिले के द्वारा किया जाना है, जिसके लिए सभी जिलों को राशि जारी की जा चुकी है।

जिले में राष्ट्रभक्ति, एकता-सांस्कृतिक गौरव से ओतप्रोत तथा गरिमापूर्ण तरीके से आयोजित हुए कार्यक्रम

राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर एक साथ गूंजा राष्ट्र की आत्मा 'वंदे मातरम'

नागरिकों ने पीएम नरेंद्र मोदी का लाइव संबोधन सुना

वंदे मातरम केवल गीत नहीं यह राष्ट्र की आत्मा : : कैप्टन मनोज कुमार

नारनौल। प्रदर्शनी का अवलोकन करते डीसी व कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देती छात्राएं व प्रतियोगिताओं में भाग लेते प्रतिभागी। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राष्ट्र गीत के 150 साल पूरे होने पर जिला में शुक्रवार को चहूंओर मां भारती को समर्पित और राष्ट्र भक्ति के भाव से भरे गीत वंदे मातरम की गूंज सुनाई दी। वन्दे मातरम् के स्मरणोत्सव के तहत जिला स्तर का कार्यक्रम सभागार में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। इस अवसर पर नागरिकों ने बड़ी एलईडी के जरिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुना। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश अनुसार यह कार्यक्रम उपमंडल, खंड तथा गांव स्तर तक राष्ट्रभक्ति, एकता और सांस्कृतिक गौरव से ओतप्रोत तथा गरिमापूर्ण तरीके से आयोजित किए गए। उपायुक्त ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं यह राष्ट्र की आत्मा, पहचान और गौरव है। सात नवंबर 1875 को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने इसे रचा था। उस वक्त इसी गीत ने पूरे देश में राष्ट्र प्रेम का उद्घोष जगा था। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि ने मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया।

पीजी कॉलेज इतिहासकार डॉ. अमित कुमार ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के इतिहास पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ हुई तथा समापन हरियाणा के राज्य गीत के साथ हुआ। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, एसडीएम अनिरुद्ध यादव, सीटीएम डॉ. मंगल सेन, नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी, डा. पूर्ण प्रभा, आईटीआई के चेयरमैन सुरेश चौधरी, प्रिंसिपल विनोद खनगवाल, नित्यानंद यादव, वासुदेव यादव आदि मौजूद थे।

जाना 'वंदे मातरम' का गौरवशाली इतिहास

वंदे मातरम गीत के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष पर सूचना, जनसंपर्क, भाषा तथा कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसका विषय राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का प्रेरणादायक इतिहास था। इस अनूठी पहल के तहत आम नागरिकों और विशेष रूप से विद्यार्थियों को यह जानने का अवसर मिला कि कैसे बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की कलम से निकला यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौरान क्रांतिकारियों के लिए राष्ट्र प्रेम का उद्घोष बन गया।

युवाओं की प्रस्तुति में दिखी हरियाणवी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा

नारनौल। जिला प्रशासन तथा युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग की ओर से समागार में विकसित युवा - विकसित भारत थीम पर चले दो दिवसीय जिला युवा महोत्सव का शुक्रवार को भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ सत्र में उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार मुख्य अतिथि रहे जबकि संध्याकालीन सत्र में अतिरिक्त उपायुक्त उदय सिंह मौजूद रहे। समागार भवन के प्रांगण में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने नवाचार ट्रैक (साइंस मेला) के तहत जैव प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवीकरणीय ऊर्जा आदि जैसे क्षेत्रों में अपने नवाचारी प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, चित्रकला, संगीत तथा भाषण प्रतियोगिताओं में हरियाणा की सामर्थ परंपरा की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम के अंत में प्रिंसिपल राजकीय आईटीआई ने समापन कार्यक्रम में सभी का आभार जताया। इस मौके पर मंच संचालन डॉ. ममता शर्मा व सिमरन चौहान ने किया। इस मौके पर आईटीआई के चेयरमैन सुरेश चौधरी, डीएचई की नोडल अधिकारी डॉ पूर्ण प्रभा के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे।

ये है दो दिवसीय युवा महोत्सव का परिणाम

कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित दो दिवसीय जिला युवा महोत्सव-2025 में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों और संस्थानों के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसमें विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता में ईक्लब्या सैनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि ईशा दूसरे स्थान पर और परी यादव तीसरे स्थान पर रहीं। इसी तरह समूह लोक गीत में नेहा शर्मा ने पहला स्थान प्राप्त किया, तनसु दूसरे स्थान पर रहीं और हरीश ने तीसरा स्थान हासिल किया।

जोनल यूथ फेस्टिवल झूमर की तैयारियां जोरों पर

महेंद्रगढ़। आरपीएस इंजीनियरिंग कॉलेज बलाना में प्रकृति की हरी भरी वादियों के बीच अरावली शैल मालाओं की गोद में जोनल यूथ फेस्टिवल झूमर की खास तैयारियां चल रही हैं। विद्यार्थियों का विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। कॉलेज निदेशक डॉ. महेश कुमार यादव ने बताया कि इस बार इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर ने जोनल यूथ फेस्टिवल का आयोजन कराने के लिए आरपीएस इंजीनियर कॉलेज को चुना है, जिसे झूमर नाम दिया गया है। झूमर के संयोजक प्रो. राजेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि इस दौरान ड्रामा, संगीत, लिटरेरी, आर्ट एंड क्राफ्ट, थिएटर तथा नॉन कॉम्पिटेटिव श्रेणियों की कुल मिलाकर 46 प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। कॉलेज रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र सिंह यादव ने बताया इस बार महेन्द्रगढ़ जोन के करीब 30 कॉलेजों से 3000 से अधिक छात्रों के आने का अनुमान है।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

विजय इंटरनेशनल स्कूल में वंदे मातरम का जश्न

महेंद्रगढ़। विजय इंटरनेशनल स्कूल में हाल ही में वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्रों ने वंदे मातरम के इतिहास और महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की और इसके प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। छात्रों ने एक साथ मिलकर वंदे मातरम का गायन किया और इसके महत्व को समझा। विद्यालय सचिव महेंद्र सिंह ने छात्रों को वंदे मातरम के इतिहास और इसके महत्व के बारे में जानकारी दी। छात्रों ने वंदे मातरम के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की और इसके महत्व को समझा। छात्रों के लिए निबंध और कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने वंदे मातरम के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें वंदे मातरम के महत्व को दर्शाया गया।

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

महेंद्रगढ़। जोनल यूथ फेस्टिवल की तैयारी करते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

आरपीएस कॉलेज ने इंटर कॉलेज शतरंज में बेहतर प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। आरपीएस डिग्री कॉलेज बालाना की शतरंज टीम ने हाल ही में आयोजित इंटर कॉलेज शतरंज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी की ओर से आयोजित की गई, जिसमें टीम खिलाड़ी हर्ष, अर्पित, नितिन, लक्की ने असाधारण रणनीतिक कौशल और मानसिक दृढ़ता का प्रदर्शन किया तथा फाइनल तक का सफर तय किया। इस शानदार उपलब्धि पर कॉलेज के चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व सीईओ मनीष राव ने बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की प्रतिभा और समर्पण को दर्शाती है। हम युवा पीढ़ी को शिक्षा के साथ साथ खेल में भी सर्वश्रेष्ठ मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह रजत पदक कॉलेज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

सीएल स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

नारनौल। सीएल स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने बढ-चढ कर भाग लिया। इस दौरान छोटे बच्चों की बॉक्स एंड बॉल गेम विद मदर, बनाना रेस, बॉल बैलेंस रेस, जॉम्बी रेस व बडे बच्चों की 100 मीटर रेस , 200 मीटर रेस, 400 मीटर रेस, रिले रेस, शैक रेस, बैलून रेस, शार्टपुट, भालाफेक आदि इवेंट आयोजित हुए। प्रतियोगिता में मुख्यातिथि हरियाणा बोर्ड ऑफ स्कूल ऐजुकेशन (भिवानी) के चेयरमैन पवन कुमार शर्मा के आगमन पर उनका स्वागत संस्था के प्रबंधक निदेशक डॉ. अमित गुप्ता, प्राचार्य रविन्द्र यादव, स्वराज सिंह यादव, मोनिका कौशल द्वारा किया गया। मुख्यातिथि के स्वागत में बच्चों से बहुत सुंदर सुंदर प्रस्तुतिया दी, जिसमें गिलीरिटंग डांस, क्लाशिक डांस ने सभी का मन मोह लिया। इसके साथ साथ बच्चों द्वारा योगा और मार्शल आर्ट की प्रस्तुतियां भी दी।

गैलेक्सी स्कूल में अंग्रेजी व्याकरण पर क्विज प्रतियोगिता

महेंद्रगढ़। गैलेक्सी स्कूल बवानिया में अंग्रेजी व्याकरण विषय पर क्विज प्रतियोगिता प्रधानाचार्य करन सिंह के दिशा-निर्देश के अनुसार करवाई गई। इस प्रतियोगिता में कक्षा पांचवी से लेकर 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस क्विज में विभिन्न गवर्नमेंट एग्जाम में पूछे गए प्रश्नों को शामिल किया गया, ताकि विद्यार्थी 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आसानी से गवर्नमेंट एग्जाम क्वालीफाई कर सकें। प्राचार्य ने बताया कि व्याकरण अंग्रेजी बोलने, लिखने या पढ़ने की एक कुंजी है। व्याकरण वाक्यों को पठनीय एवं शुद्ध बनाता है। इस क्विज प्रतियोगिता करवाने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न गवर्नमेंट एग्जाम पेपर पैटर्न के बारे में अवगत कराना था।

एफसीसी की बैठक : कूड़ा निपटान के लिए दो वाहन लगाए

30 लाख के 4 विकास कार्यों को दी मंजूरी

गंदे पानी निकासी के लिए दो जोहड़ में लगवाई जाएंगी मोटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

डॉ. रिम्पी लोढ़ा।

नगरपालिका कार्यालय में शुक्रवार को एफसीसी (फाइनेंशियल कांटेक्ट कमेटी) की बैठक शांतिपूर्वक संपन्न हुई। बैठक में फाइनेंस कमेटी की सदस्य चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा, सचिव कपिल कुमार, एमई दिनेश कुमार, वाइस चेयरमैन सूबेसिंह, सदस्य नितेश गुप्ता व उषा देवी ने भाग लिया। बैठक में विभिन्न विकास कार्यों को करवाने के लिए लिए चर्चा हुई। विचार विर्मश के बाद प्राथमिकता के किए जाने वाले चार कार्यों को मंजूरी दी गई। इन कार्यों पर तीस लाख रुपये का व्यय होगा। डॉ. रिम्पी लोढ़ा ने बताया कि आवारा पशुओं-जानवरों, कुत्तों के प्रजनन को नियंत्रित करने तथा उन्हें स्कूल आदि से दूर शेल्टर होम में रखने की व्यवस्था की जाएगी। जिस पर छह लाख रुपये खर्च किए जाएगे। इसके अलावा नगर पालिका के डंपिंग यार्ड में वर्क ऑर्डर के अलावा बचे हुए कूड़े के निष्पादन का कार्य पूरा कराया जाएगा। जिस पर 12.50 लाख रुपये का खर्च होगा। इसी प्रकार वार्डों से कूड़ा उठान एवं निपटान के लिए 31 दिसंबर तक दो ट्रेक्टर-टॉली हायर की जाएगी। जिस पर 2.10 लाख रुपये का व्यय होगा। गंदे पानी की निकासी के लिए होली वाला एवं कॉलर वाला जोहड पर चेंबर बनाकर 10 लाख की लागत से बिजली आधारित दो मोटर लगाई जाएगी। जो गंदे पानी को लिफ्ट कर एसटीपी भेजने का कार्य करेगी।

कनीना में 700 लाइट लगाई जाएगी

नपा चेयरपर्सन ने कहा कि नपा क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर किए जाने वाले कार्य पर पार्षदों से भी राय ली गई थी। जिन्होंने अपने-अपने वार्ड में होने वाले कार्यों को सदन में रखा था। उन्होंने बताया कि कनीना में गंदे पानी की निकासी का सबसे अहम पहलू था, जिस पर नपा प्रशासन की ओर से शीघ्रता से कार्य शुरू किया गया था। उनका मानना है कि नगर वासियों को इस समस्या से जल्द ही छुटकारा मिलेगा। कनीना में 700 लाइट लगने के बाद कस्बा जगमग नजर आएगा। वहीं बंदर पकड़ने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

आरपीएस महेंद्रगढ़ के छह छात्रों ने सीए में लहराया सफलता का परचम

- आरपीएस के पवन ने सीए में 19वीं ऑल इंडिया रैंक किया प्राप्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा घोषित सीए परीक्षा परिणाम में प्रतिष्ठित आरपीएस विद्यालय महेंद्रगढ़ के छह विद्यार्थियों ने शानदार सफलता हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय के पवन ने सीए में 19 वीं ऑल इंडिया रैंक हासिल कर एतिहासिक प्रदर्शन किया। आरपीएस ने सीबीएसई बोर्ड, एनडीए, नीट, जेइइ मेंस, जेइइ एडवांस, और क्लेट जैसी परीक्षाओं के बाद अब वाणिज्य संकाय में प्रतिष्ठित क्षेत्र सीए में भी अपनी उत्कृष्टता सिद्ध की है। इस गौरवशाली अवसर पर आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजीनियर मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव, प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी, पीजीटी विंग हैड देवेंद्र पुनिया, कामर्स हेड शिव कौशिक, विजेता कौशिक, मुकेश यादव ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि तकनीकी और चिकित्सा क्षेत्रों में सराहनीय उपलब्धियों के बाद, अब आरपीएस के विद्यार्थी वाणिज्य की परीक्षाओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

महेंद्रगढ़। परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

उन्होंने जोर देकर कहा कि सीए की परीक्षा देश की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में गिनी जाती है और इसमें सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती अत्यंत आवश्यक है।